



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

M. 98  
31/7/97

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 402 ]  
No. 402]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 17, 1997/आषाढ़ 26, 1919  
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 17, 1997/ASADHA 26, 1919

वित्त मंत्रालय

( कंपनी कार्य विभाग )

आदेश

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1997

का. आ. 503(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि चेरन इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित एक सरकारी कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 4-ए, गुड्स शेड रोड, पोलाची, तमिलनाडु-642001 में है, के मूल उद्देश्य को प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए और उपस्कर, कार्मिक और सामग्री के दुर्लभ स्रोतों के उपयोग को प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए और नीति में समन्वय तथा दक्षता और आर्थिक विस्तार और मोटर गाड़ी के उपसाधन, बसों की बाड़ी निर्माण तथा मरम्मत और सहबद्ध क्रिया कलापों के विनिर्माण के कार्य करण को सुनिश्चित करने के लिए लोकहित में यह आवश्यक है कि चेरन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड, जो कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन एक सरकारी कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 37, मेट्टुपलायम रोड, कोयम्बटूर, तमिलनाडु-641043 में है और उक्त चेरन इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड, जो एक सरकारी कंपनी है, को एक ही कंपनी में समामेलित किया जाना चाहिए;

और आदेश के प्रारूप की एक प्रति पूर्वोक्त कंपनियों के शेयर धारकों और लेनदारों से आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करते हुए दो समाचार पत्रों, एक हिन्दी में और दूसरा जनभाषा में, उसके प्रकाशन के लिए तारीख 6-9-1996 को भेजी गई थी;

और पूर्वोक्त कंपनियों के समामेलन की एक स्कीम दो समाचार पत्रों में अर्थात् तारीख 5-10-1996 को "हिन्दू" में अंग्रेजी में और ता. 6-10-1996 को "दिनाथान्थी" में तमिल में आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करने के लिए प्रकाशित की गई थी;

और केंद्रीय सरकार को समामेलन की स्कीम के संबंध में किसी व्यक्ति से कोई सुझाव या आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दोनों कंपनियों के समामेलन का उपबंध करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. **संक्षिप्त नाम** :—इस आदेश का संक्षिप्त नाम चेरन इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड और चेरन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड (समामेलन) आदेश, 1997 है।

2. **परिभाषाएं** :—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “नियत दिन” से 1 अप्रैल, 1996 अभिप्रेत है;

(ख) “विघटित कंपनी” से चेरन इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है;

(ग) “परिणामी कंपनी” से चेरन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है;

3. **दोनों कंपनियों का शेयर-धारण स्वरूप** : (क) 31-3-1996 को दोनों कंपनियों का शेयर धारण स्वरूप निम्नलिखित रूप में है :—

शेयर धारकों के नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रुपयों में)
<b>(i) चेरन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड</b>		
तमिल नाडु सरकार जिसमें उसके नामनिर्देशित भी सम्मिलित है	11,99,916 साधारण शेयर, प्रति शेयर 10 रुपये जो पूर्णतः समादत्त है	1,19,99,160
	10,00,378 साधारण शेयर, प्रति शेयर 10 रुपये जिनमें से 5 रुपये समादत्त है।	50,01,890
		1,70,01,050

**(ii) चेरन इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड**

चेरन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्वाधीन	3,80,000 साधारण शेयर, प्रति शेयर 10 रुपये जो पूर्णतः समादत्त है	38,00,000
---	---	-----------

(ख) मैसर्स चेरन इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड के 3,80,000 साधारण शेयर जो प्रति शेयर 10 रुपए हैं और पूर्णतः सामादत्त हैं, तथा जो अब मैसर्स चेरन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड के नाम में हैं, सामामेलन के भागरूप रह जायेंगे।

4. **कंपनियों का सामामेलन** : नियत दिन से ही समस्त करोबार और उपक्रम जिसके अन्तर्गत सभी सम्पत्तियाँ चाहे जंगम हों या स्थावर और अन्य आस्थियाँ जैसे मशीनरी और सभी स्थिर आस्थियाँ, पट्टे, धृति अधिकार, शेयरों में विनिधान या अन्यथा व्यापार में स्टाक, कर्मशाला औजार, अभिवहन में माल, सभी प्रकार के धनों में अग्रिम, बही खाता ऋण, बकाया धन, वसूली दावे, करार, औद्योगिक और अन्य अनुज्ञप्तियाँ और अनुज्ञापत्र, आयात और अन्य अनुज्ञप्तियाँ, आशयपत्र और प्रत्येक वर्णन के सभी अधिकार और शक्तियाँ किन्तु विघटित कंपनी की उक्त सम्पत्तियों को प्रभावित करने वाले सभी बंधक और प्रभार और आड़मान, प्रत्याभूतियाँ और किसी भी प्रकार के सभी अधिकारों के अधीन रहते हुए परिणामी कंपनी में अन्तरित और निहित हुए समझे जायेंगे।

**5. सम्पत्ति की कुछ मदों का अन्तरण :**

(क) इस आदेश के प्रयोजन के लिए, नियत दिन को विघटित कंपनी के, यथास्थिति, सभी लाभ या हानि या दोनों और विघटित कंपनी की, यथास्थिति राजस्व आरक्षिति या घाटा या दोनों जब परिणामी कंपनी को अन्तरित होते हैं तो वे परिणामी कंपनी के यथास्थिति क्रमशः लाभ या हानि और राजस्व आरक्षिति या घाटे का भागरूप होंगे।

(ख) नियत दिन से ही सभी ऋण, दायित्व जिसमें कोई कर दायित्व भी सम्मिलित है, शोध, उपदान के लिए दायित्व, भविष्य निधि आदि और विघटित कंपनी को ऐसी अन्य वर्तमान या समाश्रित बाध्यताएँ बिना किसी और कार्य या कर्म के परिणामी कंपनी को अन्तरित हुए समझे जायेंगे तथा परिणामी कंपनी, विघटित कंपनी के सभी ऋणों और बाध्यताओं, जिनमें सभी बोधित किन्तु असंदत्त लाभांश और किसी सरकार या लोक प्राधिकारी को वर्तमान या समाश्रित सभी करो उद्ग्रहण, शुल्क, लोक प्रभार, आयकर और देय विक्रय कर का संदाय भी सम्मिलित है, को उन्मोचित करेगी।

6. **संविदाओं आदि की व्यावृत्ति** :—नियत दिन के ठीक पूर्व को विद्यमान ऐसी सभी संविदाएँ, विलेख, बंधपत्र, प्रत्याभूतियाँ, मुखतारनामों और अन्य लिखत तथा काम करने के बारे में ठहराव जो विघटित कंपनी को प्रभावित करते हैं, प्रभाव में नहीं रहेंगे या विघटित कंपनी के विरुद्ध प्रवर्तित किए जायेंगे और परिणामी कंपनी के जिसमें इस आदेश के कारण विघटित कंपनी के उपक्रम निहित हुए हैं, विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतः बलशील और प्रभावी होंगी

और उन्हें वैसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप में प्रवृत्त किया जा सकेगा मानो विघटित कंपनी के स्थान पर परिणामी कंपनी का नाम दिया गया हो या यह उसकी एक पक्षकार हो।

### 7. विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति :

यदि नियत दिन से ठीक पूर्व विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसके किसी उपक्रम के संबंध में कोई कार्यवाही, वादहेतुक लंबित है या विद्यमान है तो वह नियत दिन से परिणामी कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध, जिसमें इस आदेश के कारण विघटित कंपनी के उपक्रम निहित हुए हैं उसी प्रकार जारी रहेगा और प्रवर्तित होगा जिस प्रकार यदि यह आदेश न किया गया होता तो यह विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध प्रवर्तित होते और ये विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध प्रवर्तित नहीं होंगे।

8. **कराधान की बाबत उपबंध :** नियत दिन के पूर्व विघटित कंपनी द्वारा किए गए कारोबार के लाभों और अभिलाभों (जिसके अन्तर्गत संश्लिष्ट हानियाँ और अनामेयित अवक्षयण, विनिधान भत्ता और धारा 80अ के अधीन राहतें भी हैं) की बाबत सभी कर, परिणामी कंपनी द्वारा ऐसी रियायतों और राहतों के अधीन रहते हुए संदेय होंगे, जो इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन अनुज्ञात की जाएँ।

9. **निदेशकों की स्थिति :** विघटित कंपनी के प्रत्येक निदेशक, जो नियत दिन के ठीक पूर्व उस रूप में पद धारण किए हुए हैं, द्वारा नियत दिन को उस हैसियत में अपना पद खाली किया हुआ समझा जाएगा।

### 10. भविष्य निधि आदि का अन्तरण और अनुरक्षण :

चेरन इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड के कर्मचारियों से संबंधित भविष्य निधि और अन्य लेखे चेरन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड में उनके अपने-अपने खातों में अन्तर्गत हो जाएंगे। चेरन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लिमिटेड निम्नलिखित न्यासों के प्रशासन में भाग लेगा :—

(क) भविष्य निधि न्यास

(ख) उपदान निधि न्यास

(ग) श्रम कल्याण निधि न्यास

11. **विघटित कंपनी के विद्यमान अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत उपबंध :** विघटित कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व से नियोजन में सेवारत प्रत्येक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (बोर्ड के निदेशक, अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक से भिन्न) जहां तक ऐसा अधिकारी या अन्य कर्मचारी ऐसे उपक्रम में नियोजित है जो इस आदेश के कारण परिणामी कंपनी में निहित हो गया है, नियत दिन से परिणामी कंपनी का, यथास्थिति, अधिकारी या अन्य कर्मचारी हो जाएगा और वह उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि के लिए उसी पारिश्रमिक पर उन्हीं निबन्धनों और शर्तों पर और वैसे ही बाध्यताओं के साथ तथा अवकाश, अवकाश भाड़ा रियायत, कल्याण स्कीम, जीवन बीमा, भविष्य निधि, अन्य निधि, सेवानिवृत्ति, स्वैच्छया सेवानिवृत्ति, उपदान और अन्य लाभों से संबंधित वैसे ही अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जो वह विघटित कंपनी में धारण करता यदि उसका उपक्रम परिणामी कंपनी में निहित नहीं होता और परिणामी कंपनी के यथास्थिति, अधिकारी या अन्य कर्मचारी के रूप में बना रहेगा या नियत दिन से छः मास की अवधि की समाप्ति तक बना रहेगा यदि ऐसा अधिकारी या अन्य कर्मचारी ऐसी अवधि के भीतर परिणामी कंपनी का अधिकारी या अन्य कर्मचारी नहीं बने रहने का विकल्प लेता है।

12. **चेरन इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड का विघटन :** इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियत दिन से, चेरन इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड विघटित हो जाएगी और कोई भी व्यक्ति विघटित कंपनी के विरुद्ध या उसके किसी निदेशक या अधिकारी के विरुद्ध उसकी ऐसे निदेशक या एक अधिकारी की हैसियत में न तो कोई दावा करेगा, न कोई मांग करेगा, और न ही कोई कार्यवाही करेगा, सिवाय वहां तक जहां तक इस आदेश के उपबंधों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हो।

13. **कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण :** केन्द्रीय सरकार, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र कंपनी रजिस्ट्रार, कोयम्बटूर को इस आदेश की एक प्रति भेजेगा, जिसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार, कोयम्बटूर परिणामी कंपनी द्वारा विहित फीस का संदाय किए जाने पर आदेश को रजिस्टर करेगा और इस आदेश की प्रति की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण के अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा और उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, कोयम्बटूर विघटित कंपनी के संबंध में उसके पास रजिस्ट्रीकृत अभिलिखित या फाइल किए सभी दस्तावेज परिणामी कंपनी, जिसके साथ विघटित कंपनी का सम्मेलन किया गया है, की फाइल में रखेगा और इन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।

14. **परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद :** विघटित कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, जिस रूप में वे नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान हैं, नियत दिन से ही परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे।

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Company Affairs)**

**ORDER**

New Delhi, the 16th July, 1997

**S.O. 503 (E).**—Whereas the Central Government is satisfied that for the purpose of securing the principal object of the Cheran Engineering Corporation Limited, a Government Company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at 4-A, Goods Shed Road, Pollachi-Tamilnadu-642001, and for the purpose of securing the use of scarce resources of equipment, personnel and material, for ensuring coordination in policy and the efficient and economic expansion and working of manufacturing the automobile accessories, body building and repairs of buses and allied activities, it is essential in the public interest that the Cheran Transport Corporation Limited, a Government Company incorporated under the Companies Act, 1956 having its registered office at 37, Mettupalayam Road, Coimbatore, Tamil Nadu 641043, and the said Cheran Engineering Corporation Limited, a Government Company shall be amalgamated into a single company;

And, whereas, a copy of the draft of order was sent to the aforesaid companies vide letter dated 6-9-1996 for its publication in two newspapers one in English and other in Vernacular language inviting objections and suggestions from the shareholders and creditors of the said companies;

And, whereas, the scheme of amalgamation of the aforesaid companies was published in two newspapers that is in the "Hindu" dated 5-10-1996 in English and in "Dinathanthi" dated 6-10-1996 in Tamil for inviting objections and suggestions;

And, whereas, no suggestion for objection has been received by the Central Government in regard to the scheme of amalgamation from any person;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of the said two companies, namely :—

(1) **Short Title :** This order may be called as the Cheran Engineering Corporation Limited and Cheran Transport Corporation Limited (Amalgamation) Order, 1997.

(2) **Definitions:**—In this Order, unless the context otherwise requires :

- (a) "appointed day" means the 1st Day of April, 1996.
- (b) "dissolved company" means Cheran Engineering Corporation Limited,
- (c) "resulting company" means the Cheran Transport Corporation Limited.

3. **Share-holding pattern of the two Companies :—**(a) The shareholding pattern of the two companies as on 31-3-1996 is as under :—

Name of the Shareholders	No. of Shares	Amount Rs.
<b>(i) Cheran Transport Corporation Limited</b>		
Government of Tamilnadu including their	11,99,916 Equity Shares of Rs.10/- each fully	1,19,99,160
Nominees	paid up.	
	10,00,378 Equity Shares of R. 10/- each Rs.5/-	50,01,890
	paid up.	
		<u>1,70,01,050</u>
<b>(ii) Cheran Engineering Corporation Limited</b>		
Fully owned by Cheran Transport Corporation	3,80,000 Equity Shares of Rs. 10/- each fully	38,00,000
Limited	paid up.	

3. (b) 3,80,000 equity shares of Rs. 10/- each fully paid up in M/s. Cheran Engineering Corporation Limited which are now held in the name of M/s. Cheran Transport Corporation Limited shall be cancelled as part of the amalgamation.

4. **Amalgamation of the Companies:**—On and from the appointed day, the entire business and undertaking including all the properties, movable and immovable and other assets such as machinery and all fixed assets, leases, tenancy rights, investments in shares or otherwise, stock in trade, workshop tools, goods in transit, advances of monies of all kinds, book debts, outstanding monies, recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, import and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description but subject to all mortgages and charges and hypothecation, guarantees and all rights whatsoever affecting the said properties of the dissolved company shall be deemed to be transferred to and vest in the resulting company.

5. **Transfer of certain items of properties**

- (a) For the purpose of this Order, all the profits or losses, or both as the case may be of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits or both, as the case may be of the dissolved company when transferred to the resulting company shall respectively form part of the profits or losses and the revenue resources or deficits, as the case may be, of the resulting company.
- (b) On and from the appointed day, all debts, liabilities, including any tax liabilities, the dues, liability for gratuity, provident fund, etc., and such other obligations present or contingent of the dissolved company, shall be deemed to be transferred without further act or deed to the resulting company, and the resulting company shall discharge all debts and obligations of the dissolved company, including all dividends declared but not paid and payments of the all taxes, levies, duties, public charges, income tax and sales tax dues present or contingent to any Government or public authority.

6 **Saving of Contracts etc. :** All contracts, deeds, bonds, guarantees, powers of attorney and other instruments and working arrangements subsisting immediately before the appointed day and affecting the dissolved company shall cease to have effect or to be enforceable against the dissolved company and shall have full force and effect against or in favour of the resulting company in which the undertakings of the dissolved company has vested by virtue of this order and enforceable as fully and effectually as if instead of the dissolved company, the resulting company had been named therein or had been a party thereto.

7. **Saving of legal proceedings :** Any proceeding or cause of action pending or existing immediately before the appointed day by or against the dissolved company in relation to its undertaking may, as from the appointed day, be continued and enforced by or against the resulting company in which the undertaking of the dissolved company has vested by virtue of this order as it might have been enforced by or against the dissolved company if this Order had not been made and shall cease to be enforceable by or against the dissolved company.

8 **Provisions with respect to Taxation :** All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation, investment allowance and reliefs under Section 80-J) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to such concessions and reliefs as may be allowed under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation.

9. **Position of Directors :—**Every Director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day, shall be deemed to have vacated his office as such on the appointed day.

10. **Transfer and maintenance of Provident Funds etc.—** All the Provident Fund and other accounts relating to the employees of Cheran Engineering Corporation Limited will be transferred to the respective accounts in Cheran Transport Corporation Limited, Cheran Transport Corporation Limited will participate in the administration of the following trusts :—

- (a) Provident Fund Trust
- (b) Gratuity Fund Trust
- (c) Labour Welfare Fund Trust

**11. Provisions in respect of Officers and employees of the dissolved company :** Every Officer or other employees of the dissolved company (except a Director of the Board, Chairman or Managing Director) serving in the employment immediately before the appointed day shall, in so far as such officer or other employees is employed in connection with the undertaking which has vested in the resulting company by virtue of this Order, become, as from the appointed day, an officer or, as the case may be, other employee of the resulting company and shall hold his office or service therein by the same tenure, at the same remuneration, upon the same terms and conditions, with the same obligations and with the same rights and privileges as to leave, leave fare concession, welfare scheme, medical benefit scheme, insurance, provident fund, other funds, retirement, voluntary retirement, gratuity and other benefits as he would have held under the dissolved company if its undertaking had not vested in the resulting company and shall continue to do so as an officer or, as the case may be other employees of the resulting company or until the expiry of a period of six months from the appointed day if such officer or other employees opts not to continue to be the officer or other employee of the resulting company within such period.

**12. Dissolution of the Cheran Engineering Corporation Limited :—**Subject to the other provisions of this Order as from the appointed day, the Cheran Engineering Corporation Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved company or against a Director or any officer thereof in his capacity as such Director or Officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this Order.

**13. Registration of the Order by the Registrar of Companies :—**The Central Government shall, as soon as may be, this Order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Coimbatore, a copy of this Order, on receipt of which the Registrar of Companies, Coimbatore shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order. Thereafter, the Registrar of Companies, Coimbatore shall forthwith include all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved company on the file of resulting company with whom the dissolved company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

**14 Memorandum and Articles of Association of the resulting company :—**

The Memorandum and Articles of Association of the dissolved company as they stood immediately before the appointed day, shall as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[F. No. 24/1/96-CL. III]

JAINDER SINGH, Jt. Secy.